Curriculum and Credit Framework

As per NEP 2020

For

M.A. Hindi

(To be effective from the Academic Session 2024-2025)

Department of Indian Knowledge and Languages

Gurugram University, Gurugram (A State Govt. University Established Under Haryana Act 17 Of 2017)

एम.ए. (हिंदी) पृष्ठभूमि

एम ए (हिंदी) एक स्नातकोत्तर कार्यक्रम है, जो हिंदी भाषा, साहित्य, और संस्कृति के व्यापक अध्ययन पर केंद्रित है। यह कार्यक्रम छात्रों को हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों, साहित्यिक आंदोलनों, और प्रमुख लेखकों के कृतियों का गहन अध्ययन करने का अवसर प्रदान करता है। इस कोर्स का उद्देश्य छात्रों को भाषा और साहित्य में गहन ज्ञान प्राप्त करने के साथ-साथ आलोचनात्मक और सृजनात्मक सोच विकसित करना है।

एम ए (हिंदी) का उद्देश्य

गुरुग्राम विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग बहुमुखी संकाय के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रहा है ।विभाग का उद्देश्य विधार्थियों को वैश्विक स्तर पर हर क्षेत्र में बढ़ती हिंदी की महता से परिचित कराते हुए उन्हें भाषा , साहित्य , मूल्यों और भारतीय संस्कृति के ज्ञान एवं योग्यता के साथ उनका सर्वांगीण विकास करना है ।विभाग के प्राध्यापक समर्पित एवं अनुभवी शिक्षाविद् है जो विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए सदैव तत्पर रहते हैं । विद्यार्थियों की अकादमिक प्रगति के साथ उनकी रुचि ,व्यक्तित्व विकास और भविष्योंमुखी योजनाओं को लेकर वैयक्तिक रूप से उनका मार्गदर्शन करते हैं ।हिंदी पाठ्यक्रम की संरचना और स्वरूप छात्रों के समग्र विकास को उद्धृत करने एवं हिंदी को रोज़गारोन्मुखी बनाने के लिए व्यावसायिक एवं संचार कौशल , अनुवाद ,व्यक्तित्व विकास , शोध , अभिव्यक्ति कौशल , पत्रकारिता ,सृजनात्मक लेखन , भाषा विज्ञान एवं कार्यालयी हिंदी आदि विषयों के विशिष्ट ध्येय को ध्यान में रखकर बनाया गया है । हिंदी से स्नातकोत्तर करने के साथ इस विषय में विद्यार्थी स्नातक शिक्षण प्रशिक्षण , जनसंचार , पटकथा , संवाद लेखन , अनुवाद , लोकप्रशासन एवं राजभाषा जैसे आकर्षक क्षेत्रों में शिक्षा एवं रोज़गार के अवसर चुन सकते हैं। 'सीखने की प्रक्रिया जीवनपर्यंत सक्रिय है ' एवं ' सतत् विकास 'की धारणा पर हमारा विभाग कार्यरत है ।हिंदी विभाग के द्वारा समय -समय पर सम्मेलनों, गोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन भी किया जाता है । हिंदी विभाग का प्राथमिक लक्ष्य ज्ञान परंपरा की गहराईयों में उतरना , अतीत को वर्तमान से और मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने वाली चीजों का अध्ययन करना , मानवीय मूल्यों की प्रतिष्ठा एवं उनके उन्नयन का प्रयास करना है ।

1. **Programme Educational Objectives (PEOs)**

PEO	Description
PEO-1	**गहन साहित्यिक अध्ययन**
PEO-2	**भाषा और साहित्य का समन्वय**
PEO-3	**सांस्कृतिक और सामाजिक समझ**
PEO-4	**अनुसंधान और शैक्षणिक कौशल**
PEO-5	**व्यावसायिक संभावनाएं:**
PEO-5	**वैश्विक दृष्टिकोण**

2. Programme Outcomes

PO	Description
PO-1	आधुनिक हिंदी कविता के विविध आयाम एवं प्रमुख कवियों की उत्कृष्ट रचनाओं का अध्ययन करना
PO-2	इतिहास लेखन परंपरा के प्रमुख इतिहास ग और विभिन्न युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना
PO-3	कृतियों के विश्लेषण हेतु भारतीय चिंतन का पक्ष स्पष्ट करना ताकि छात्रों में भारतीय चिंतन परंपरा की समझ विकसित की जा सके
PO-4	सिनेमा और साहित्य जगत के विश्लेषण की क्षमता उत्पन्न करना मीडिया के कार्य क्षेत्र तथा वैश्विक प्रभाव की समझ विकसित करना और एक तार्किक सोच का निर्माण करना
PO-5	भाषा की विशेषताओं तथा उसके उपाय का विश्लेषण आत्मक ज्ञान होगा
PO-6	विभिन्न संस्थाओं के लिए प्रोफाइल लेखन संबंधी कौशल प्रदान करना
PO-7	हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषण आत्मक अध्ययन ताकि इतिहास लेखन और इतिहास की सामाजिक विकसित हो सके
PO-8	हिंदी साहित्य के अंतर्गत नाटकों का विश्लेषण विश्लेषण आत्मक ज्ञान देना और भारतीय पाश्चात्य और लोक संस्कृति का ज्ञान देना

Programme Specific Outcomes

PSO	Description
PSO-1	आधुनिक हिंदी काल में रचित हिंदी कविता की विविध प्रवृतियों को महत्वपूर्ण कवियों और कविताओं द्वारा समझना
PSO-2	आधुनिक काल में रचित विद गद्य विधाओं का आलोचनात्मक अध्ययन ताकि उनके माध्यम से साहित्य एवं समाज के अंदर संबंध की जानकारी हो सके
PSO-3	हिंदी साहित्य के इतिहास की विविध सोपनो के माध्यम से जानकारी देना
PSO-4	आदिकाल से आधुनिक काल तक क्रमबद्ध रूप से विद्यार्थियों को जानकारी देना
PSO-5	भाषा एवं भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप के सैद्धांतिक जानकारी देना एवं कोष विज्ञान शैली विज्ञान लिपि की वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करना भारतीय शास्त्र के सिद्धांतों और सैद्धांतिक अवधारणा को समझना

स्नातकोतर विशेषताएं :

- अनुशासनात्मक ज्ञान
- रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच
- विचारात्मक चिंतन
- समस्या समाधान
- विश्लेषणात्मक तर्क
- संचार कौशल
- अनुसंधान कौशल
- जीवन कौशल
- बहुसांस्कृतिक क्षमता
- नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्य
- आजीवन शिक्षा
- वैश्विक क्षमता

करियर के अवसर

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम के स्नातकों के लिए करियर के अवसर:

- **अकादमिक**: विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षण और अनुसंधान पद।
- **अनुवाद और व्याख्या:** हिंदी ग्रंथों का अनुवाद और प्राचीन पांडुलिपियों की व्याख्या में पेशेवर कार्य।
- **सिविल सेवा**: सरकारी विभागों में प्रशासनिक भूमिकाओं में काम करना जहां हिंदी का ज्ञान आवश्यक है। विभिन्न सरकारी संगठनों में हिंदी अधिकारी या भाषा विशेषज्ञ के रूप में सेवा देना।
- **सांस्कृतिक अधिकारी**: सांस्कृतिक कार्यक्रमों और पहलों के माध्यम से हिंदी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देना। सांस्कृतिक संस्थानों, दूतावासों और गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के साथ काम करना।
- **प्रकाशन**: शास्त्रीय और अकादमिक ग्रंथों में विशेषज्ञता रखने वाले प्रकाशनों में संपादकीय और लेखन पद।

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम एक समृद्ध शैक्षणिक यात्रा है जो न केवल गहन भाषाई और साहित्यिक ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि छात्रों को प्राचीन भारत की समयहीन बुद्धि और सांस्कृतिक संपन्नता से भी जोड़ती है।

योग्यता वर्णनकर्ता

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम के योग्यता वर्णनकर्ता उन अपेक्षित ज्ञान, कौशल, और दक्षताओं का वर्णन करते हैं, जो छात्रों

को पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद प्राप्त होने चाहिए। ये वर्णनकर्ता सुनिश्चित करते हैं कि स्नातक हिंदी अध्ययन के क्षेत्र में विभिन्न पेशेवर और शैक्षणिक अवसरों के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं।

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम हिंदी भाषा की उन्नत समझ का प्रदर्शन करेगा, जिसमें व्याकरण, वाक्य रचना, ध्वनिविज्ञान, और शब्दावली शामिल हैं। इसमें वैदिक, महाकाव्य, शास्त्रीय और आधुनिक हिंदी साहित्य का व्यापक ज्ञान भी शामिल होगा। हिंदी पाठों के सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, और दार्शनिक संदर्भों को समझना भी इसका हिस्सा होगा।

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम व्यापक हिंदी पाठों का आलोचनात्मक विश्लेषण और व्याख्या करेगा, जिसमें उपयुक्त विद्वतापूर्ण पद्धतियों का उपयोग किया जाएगा। विभिन्न साहित्यिक और दार्शनिक पाठों और परंपराओं का मूल्यांकन और तुलना भारतीय बौद्धिक इतिहास के व्यापक संदर्भ में किया जाएगा। स्वतंत्र अनुसंधान करना, शोध प्रश्नों को तैयार करना, और प्राथमिक और माध्यमिक स्रोतों का प्रभावी ढंग से उपयोग करना भी इसके अंतर्गत आएगा।

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम हिंदी पढ़ने, लिखने, और बोलने में प्रवीणता का प्रदर्शन करेगा। हिंदी पाठों का अनुवाद और व्याख्या सही तरीके से करना, भाषाई सूक्ष्मताओं और सांस्कृतिक संदर्भ को ध्यान में रखते हुए। हिंदी साहित्य और दर्शन से संबंधित विषयों पर विद्वतापूर्ण पत्र, रिपोर्ट, और प्रस्तुतियाँ तैयार करना और प्रस्तुत करना भी इसका हिस्सा होगा।

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम में प्रभावी संचार कौशल, दोनों लिखित और मौखिक, अकादमिक और पेशेवर संदर्भों के लिए उपयुक्त होंगे। अनुसंधान और शैक्षणिक सेटिंग्स में स्वतंत्र और सहयोगात्मक कार्य करने की क्षमता का प्रदर्शन भी किया जाएगा। हिंदी ज्ञान के अध्ययन और प्रसार में नैतिक सिद्धांतों और सांस्कृतिक संवेदनशीलता का अनुप्रयोग। विभिन्न पेशेवर संदर्भों में हस्तांतरणीय महत्वपूर्ण सोच, समस्या-समाधान, और बौद्धिक अन्वेषण में कौशल का विकास करना भी इसका हिस्सा होगा।

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम हिंदी भाषा और साहित्य में आजीवन रुचि और प्रशंसा को बढ़ावा देगा। हिंदी पाठों में संरक्षित भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत की सूक्ष्म समझ को विकसित करना। अपने स्वयं के सीखने और विद्वता के प्रति चिंतनशील और आत्म-आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास करना। अकादमिक और पेशेवर चुनौतियों के सामने अनुकूलता और लचीलापन का प्रदर्शन करना भी इसका हिस्सा होगा।

योग्यता:

उम्मीदवार को किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री होनी चाहिए, जिसमें कुल मिलाकर कम से कम 45% अंक (केवल हरियाणा के SC/ST/दिव्यांग उम्मीदवारों के मामले में 42.75% अंक) होने चाहिए।

1. Scheme of Programme

(Scheme PG A1: Postgraduate Programmes (Course work only)

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L		T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)				Credits				TI	TE	PI	PE	Total
	Core Course(s)														
CC-A01	Adhunick Hindi Kavita-	241/HIN/CC 101	3	1	-	-	-	-	-	4	30	70	-	-	100
CC-A02	Hindi sahityaKa Itihas(adikal aur Madhyakal)	241/HIN/CC 102	3	1	-	-	-	-	-	4	30	70	-	-	100
CC-A03	Bhasha vigyanevm Hindi Bhasha	241/HIN/CC 103	3	1	-	-	-	-	-	4	30	70	-	-	100
	Discipline Specific Elective Courses														
DSE-01	Hindi Lok	241/HIN/DS	2	1	-	-	-	-	-	3	25	50	-	-	75

	Natya **OR** Hindi Lok katha**:Udbhav aur Vikas**	E101													
	Multidisciplinary Course(s)														
MDC-01	One from Pool									3					
	Ability Enhancement Course(s)														
AEC-01	One from Pool									2					
	Value-added Course(s)														
VAC-01	One from Pool									**2**					
Total Credits										**22**					

Semester 2

Cours eCode	**Course Title**	**Course ID**	**L**	**T**	**P**	**L**	**T**	**P**	**Total Credits**	**MARKS**				
			(Hrs)			**Credits**				**TI**	**TE**	**PI**	**PE**	**Total**

Core Course(s)														
CC-A04	Adhunik Hindi Kavita(Chhaya-wadottar)	241/HIN/CC 204	3	1	-	-	-		4	30	70	-	-	100
CC-A05	Hindi Sahitya Ka Itihas (Adhunik Kal)	241/HIN/CC 205	3	1	-	-	-		4	30	70	-	-	100
CC-A06	Bhartiya KavyaShastra	241/HIN/CC 206	3	1	-	-	-	-	4	30	70	-	-	100
Discipline Specific Elective Courses														
DSE-02	Hindi Bhasha aur Lok Shitya **OR** Hindi mein Anudit Vishwa Sahitya		2	1	-	-	-	-	3	25	50	-	-	75
Multidisciplinary Course(s)														

MDC-02	One from Pool								3					
Ability Enhancement Course(s)														
AEC-02	One from Pool								2					
Skill Enhancement Course(s)														
SEC-01	One from Pool								**2**					
Total Credits									**22**					

Semester 3

CourseCode	**Course Title**	**Course ID**	**L**	**T**	**P**	**L**	**T**	**P**	**Total Credits**	**MARKS**				
			(Hrs)			**Credits**				**TI**	**TE**	**PI**	**PE**	**Total**
Core Course(s)														
CC-A07	Prachin Evm Madhyakalin kavy -1	241/HIN/CC 307	3	1	-	-	-	-	4	30	70	-	-	100
CC-A08	Adhunik GadyaSahitya	241/HIN/CC 308	3	1	-	-	-	-	4	30	70	-	-	100
CC-A09	Pashchatya	241/HIN/CC 309	3	1	-	-	-	-	4	30	70	-	-	100

	KavyaShastra													
Discipline Specific Elective Courses														
DSE-03	Hindi Bhasha: Vyavharik kaushal evm Abhivriddhi-1 **OR** Hindi Bhasha evm KOSH VIGYAN		2	1	-	-	-	-	3	25	50	-	-	75
Multidisciplinary Course(s)														
MDC-03	One from Pool								3					
Skill Enhancement Course(s)														
SEC-02	One from Pool								**2**					
Value-added Course(s)														
VAC-02	One from Pool								**2**					
Seminar														
Seminar	**Vyavharik**								**2**					

	evm Prayogik Anuwad													
Internship/Field Activity#														
									4					
Total Credits									**28**					

#Four credits of internship earned by a student during summer internship after 2nd semester will be counted in 3rd semester of a student who pursue 2 year PG Programme without taking exit option.

Semester 4

Cours eCode	**Course Title**	**Course ID**	**L**	**T**	**P**	**L**	**T**	**P**	**Total Credits**	**MARKS**				
			(Hrs)			**Credits**				**TI**	**TE**	**PI**	**PE**	**Total**
Core Course(s)														
CC-A10	Prachin evm Madhyakali n Kavya - 2	241/HIN/CC 410	3	1	-	-	-	-	4	30	70	-	-	100
CC-A11	Natak evm Rangmanch	241/HIN/CC 411	3	1	-	-	-	-	4	30	70	-	-	100
Discipline Specific Elective Courses														
DSE-04	Hindi Bhasha	241/HIN/DS	2	1	-		-		3	25	50	-	-	75

	evm Takniki Kaushal **OR** Prayojan mulak Hindi	E404												
Multidisciplinary Course(s)														
MDC-04	One from Pool								3					
Ability Enhancement Course(s)														
AEC-03	One from Pool								**2**					
Community Engagement/Field Work/Survey/Seminar														
Seminar	**Laghu Shodh Prabandh**								**6**	**45**	**105**			**150**
Total Credits									**22**					

Details of courses

	After 2 years		
	No of courses	**No of creditsper course**	**Total no ofcredits**
Core Courses	11	4	**44**
Discipline specific Elective Courses	4	3	**12**
Multidisciplinary Course	4	3	**12**
Ability Enhancement Courses	4	2	**8**
Skill enhancement Courses	2	2	**4**
Value Added Courses	2	2	**4**
Internship/Project/training	2	4	**8**
Seminar	2	2	**4**
TOTAL			**96**

SYLLABUS

एम.ए. हिंदी

प्रथम सेमेस्टर

CCA01-आधुनिक हिंदी कविता

पूर्णांक: 100
आंतरिक मूल्यांकन: 30

लिखित: 70

Course Title	आधुनिक हिंदी कविता(छायावाद तक)	Credit
Course ID	241/HIN/CC101	4

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

आधुनिक हिंदी कविता का विश्लेषणात्मक ज्ञान

आधुनिक हिंदी कविता के विविध रूप

पाठ्यक्रम परिणाम:

आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों की समझ

आधुनिक हिंदी कविता के विविध आयाम एवं प्रमुख कवियों की उत्कृष्ट रचनाओं का अध्ययन

पाठ्यक्रम:

(क) पाठ्य विषय-

1. मैथिलीशरण गुप्त: साकेत (नवम सर्ग)
2. जयशंकर प्रसाद : कामायनी(श्रद्धा एवं रहस्य सर्ग)
3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला: राम की शक्ति पूजा, स्नेह निर्झर बह गया. संध्या सुंदरी, मैं अकेला , तोड़ती पत्थर, बादल राग(प्रथम खंड)
4. रामधारी सिंह दिनकर :कुरुक्षेत्र षष्ठम सर्ग

(ख)- आलोच्य विषय

साकेत: राम काव्य परंपरा और साकेत ,साकेत का महाकाव्य तत्व ,मैथिली शरण गुप्त की नारी विषयक दृष्टि, काव्य वशिष्ठ

कामायनी :कामायनी का महाकाव्य तत्व. रूपक तत्व ,कामायनी की दार्शनिक पृष्ठभूमि, कामायनी का आधुनिक संदर्भ ,प्रसाद का सौंदर्य बोध

निराला :छायावादी काव्य परंपरा में निराला का स्थान, निराला के काव्य की प्रयोगशीलता ,निराला की प्रगतिशील चेतना, राम की शक्ति पूजा का मूल कथ्य

कुरुक्षेत्र: उत्तर छायावादी काव्य और दिनकर दिनकर का काव्य शिल्प, दिनकर की जीवन दृष्टि , मूल प्रतिपाद्य

सहायक ग्रंथ :

1. मैथिलीशरण गुप्त: कवि और भारतीय संस्कृति आख्या, डॉ. उमाकांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

2. मैथिलीशरण गुप्त और साकेत: डॉ. ब्रजमोहन वर्मा, जयपुर पुस्तक सदन, जयपुर।

3. साकेत एक अध्ययन: डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

4. संपूर्ण कामायनी (पाठ- अर्थ- समीक्षा): डॉ. हरिशंकर प्रसाद गुप्त, भाषा साहित्य प्रकाशन, इलाहाबाद।

5. निराला की साहित्य साधना: डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

6. निराला: डॉ. पद्म सिंह शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

7. निराला और नवचेतनायुग: डॉ. रामरतन भटनागर, साथी प्रकाशन, सागर।

8. निराला: डॉ. रामविलास शर्मा, शिवालाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा।

9. निराला की साहित्य साधना (1, 2, 3 भाग): डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल दिल्ली।

निर्देश:

1. खंड क में निर्दिष्ट पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 18 अंकों का होगा।

2. प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में तीन खंडों के निर्दिष्ट आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग-अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 3 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई पांच लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पांच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।

4. पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

<u>एम.ए. हिंदी</u> (प्रथम सेमेस्टर)

CCA02-हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से मध्यकाल)

पूर्णांक: 100
आंतरिक मूल्यांकन: 30

लिखित: 70

Course ID	241/HIN/CC102	Credit
Course Title	**हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से मध्यकाल)**	4

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

- हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान।

- इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और विभिन्न युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

- इतिहास लेखन और इतिहास की समय विभाजित होगी।

- हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

<u>पाठयक्रम</u>

इकाई1. **हिंदी साहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्वपीठिका**:

- हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा , साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।
- हिंदी-साहित्य का इतिहास: काल-विभाजन, सीमा-निर्धारण।

इकाई2**. आदिकाल**:

- नामकरण और सीमा , परिधि - ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक।
- आदिकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ और रासों काव्य परंपरा एंव पृथ्वीराज रासो की प्रमाणिकता ।

इकाई3. भक्तिकाल:

- परिधि: ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक ।

- भक्तिकालीन आंदोलन , भक्तिकाल - स्वर्ण युग।

- भक्तिकालीन काव्य-धाराएँ: विशिष्टता और अवदान।

- संत काव्य-धारा: विशिष्टता , सूफी काव्य-धारा: विशिष्टता।

- राम काव्य-धारा: विशिष्टता , कृष्ण काव्य-धारा: विशिष्टता।

इकाई4. रीतिकाल:

- नामकरण और सीमा , परिधि - ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक।

- रीतिकालीन काव्य की आवश्यकताएँ।

- विभिन्न काव्य-धाराओं की विशेषताएँ: रीतिबद्ध , रीतिसिद्ध , रीतिमुक्त

संदर्भ पुस्तकें

1. **डॉ. रामचन्द्र शुक्ल** - "**हिन्दी साहित्य का इतिहास**"

2. **डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी** - "**हिन्दी साहित्य की भूमिका**"

3. **डॉ. नामवर सिंह**- "**आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ**"

4. **डॉ. नगेंद्र** - "**हिन्दी साहित्य का आदिकाल**"

5. **डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र**- "**हिन्दी साहित्य के इतिहास के सिद्धांत**"

6. **डॉ. बच्चन सिंह** - "**हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास**"

7. **डॉ. विनय मोहन शर्मा** - "**आधुनिक साहित्य की समस्याएँ**"

8. **डॉ. रामविलास शर्मा** - "**भारतीय नवजागरण और हिन्दी साहित्य**"

9. **डॉ. मोतीलाल चतुर्वेदी** - "**हिन्दी साहित्य का इतिहास: आदिकाल से आधुनिक काल तक**"

निर्देश :

1.निर्धारित निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल कर प्रश्न करने होंगे प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्ही 6 प्रश्न का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा

एम.ए. हिंदी प्रथम सेमेस्टर

CCA03-भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

पूर्णांक: 100
आंतरिक मूल्यांकन: 30

लिखित: 70

Course ID	241/HIN/CC103	Credit
Course Title	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	4

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

- भाषा विज्ञान के विशिष्ट समझ विकसित करना।

- भाषा की विशेषताओं और उसके उपयोग का विश्लेषण।

- आत्मक ज्ञान प्राप्त करना।

पाठ्यक्रम परिणाम :

- भाषा और उसके उपयोग का ज्ञान , भाषा संबंधी विभिन्न पद्धतियों का ज्ञान।

- भाषा की परिभाषा और प्रवृत्ति , भाषा के अध्ययन क्षेत्र।

- भाषा की व्यवस्था और व्यवहार , भाषा की संरचना , भाषा के अध्ययन की दिशाएं।

पाठ्यक्रम

इकाई1.- भाषा की परिभाषा और प्रवृत्ति , भाषा के अध्ययन क्षेत्र

- भाषा की व्यवस्था और व्यवहार एंव भाषा की संरचना
- भाषा के अध्ययन की दिशाएं (वर्णनआत्मक ,ऐतिहासिक ,तुलनात्मक)

इकाई2. हिंदी भाषा का इतिहास: आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय- हर्नल और ग्रियसर्न का वर्गीकरण

- प्राचीन भारतीय आर्य भाषा(वैदिक,लौकिक,संस्कृत)
- मध्य युगीन भारतीय आर्य भाषा (पाली ,प्राकृत ,अपभ्रंश)

इकाई 3.हिंदी का विकासात्मक स्वरूप:

- हिंदी का उपभाषाएं - पूर्वी तथा पश्चिमी हिंदी तथा उनकी बोलियां एंव मानक हिंदी का स्वरूप
- काव्य -भाषा के रूप में अवधि एंव ब्रज का विकास, साहित्यिक हिंदी के रूप में खड़ी बोली का विकास , हिंदी की संवैधानिक स्थिति

इकाई 4.**हिंदी का भाषिक स्वरूप** :

- हिंदी की व्याकरणिक कोटिया लिंग, वचन पुरुष कारक और काल की व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी संज्ञा, स्वरनाम ,विशेषण और क्रिया रूप , स्वन- परिभाषा एवं वर्गीकरण, स्वर्णिम स्वरूप और वर्गीकरण
- हिंदी के विविध रूप- बोली ,भाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा
- वाक्य के प्रकार - रचना की दृष्टि से , अर्थ की दृष्टि से

इकाई 5. नागरी लिपि और हिंदी प्रचार प्रसार-

- नागरी लिपि का नामकरण और विकास , नागरी लिपि की वैज्ञानिकता एवं मानकीकरण
- नागरी लिपि की विशेषता , भाषा विज्ञान और व्याकरण , हिंदी प्रचार प्रसार: प्रमुख व्यक्ति एवं प्रमुख संस्थाओं का योगदान

निर्देश :1. निर्धारित निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल कर प्रश्न करने होंगे प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्ही 6 प्रश्न का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा

सहायक ग्रंथ:

- "भाषा विज्ञान और मानक हिंदी" - डॉक्टर नरेश मिश्रा, अभिनव प्रकाशन।
- "भाषा और हिंदी भाषा का इतिहास" - डॉक्टर नरेश मिश्रा, हरियाणा साहित्य अकादमी।
- "भाषा विज्ञान" - डॉक्टर नरेश मिश्रा, निर्मल पब्लिकेशन।
- "हिंदी भाषा" - डॉक्टर भोलानाथ तिवारी, किताब महल।
- "भाषा विज्ञान की भूमिका" - प्रोफेसर देवेंद्र नाथ शर्मा, राधा कृष्ण प्रकाशन।
- "हिंदी भाषा का इतिहास" - डॉक्टर धीरेंद्र वर्मा, हिंदुस्तान अकैडमी।
- "हिंदी उपभोग, विकास और रूप" - डॉक्टर हरदेव बिहारी, किताब महल।
- "सामान्य भाषा विज्ञान" - बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन।
- "व्याकरणिक कोटियों का विश्लेषण" - डॉक्टर दीप्ति शर्मा, बिहार ग्रंथ अकादमी।
- "आधुनिक भाषा विज्ञान" - कृपा शंकर सिंह, चतुर्भुज साहब, नेशनल पब्लिशिंग हाउस।

<u>एम.ए. हिंदी</u>

<u>प्रथम सेमेस्टर (DSE प्रथम प्रश्न पत्र)</u>

पूर्णांक: 75
आंतरिक मूल्यांकन: 25

लिखित: 50

Course ID	**241/HIN/DSE101**	**Credit**
Course Title	**हिंदी लोकनाट्य /** **हिंदी लोक कथा उद्भव और विकास**	3

DSE-हिंदी लोकनाट्य

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

1. विद्यार्थियों को भारतीय लोकनाट्य साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन करना।

2. लोक-जीवन और लोक-संस्कृति की जानकारी देना, हिंदी लोकनाट्य शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना।

पाठ्यक्रम परिणाम :

1. लोकनाट्य की संपूर्ण भारतीय परंपरा का परिचय प्राप्त होगा।

2. विभिन्न प्रादेशिक लोक-नाट्य रूपों के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी।

3. आधुनिक हिंदी रंगमंच के संदर्भ में विभिन्न लोक-नाट्य शैलियों का ज्ञान प्राप्त होगा।

<u>पाठ्यक्रम:</u>

इकाई-1 लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और विकास

- पारंपरिक एवं आधुनिक लोकनाट्य का इतिहास (भारतीय प्राचीन नाट्यशास्त्र के पूर्व से लेकर मध्यकालीन तथा आधुनिक लिखित प्रयोगधर्मी स्वरूप तक)

इकाई-2:प्रमुख लोकनाट्य रूपों का संक्षिप्त परिचय :यक्षगान, सांग, नौटंकी, तमाशा, भवाई, पंडवानी, बुंदेलखंडी।

इकाई-3- पाठ्यपारक अध्ययन: नरदमुनी - सांग (रंगभूमि)

इकाई-4 - पाठ्यपारक अध्ययन: याज्ञवल्क्य बधूय - सिद्धेश्वर सेन

सहायक ग्रंथ:

1. हिंदी साहित्य का वृहद इतिहास - सोरठिया बाग, याहु रसाकृत्यान, नागरी प्रचारिणी सभा काशी।

2. भारतीय लोकनाट्य - विशिष्ट नारायण त्रिपाठी, वाराणसी प्रकाशन, दिल्ली।

3. भारतीय लोक साहित्य - परंपरा और परिवेश - विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।

4. रंगभूमि ग्रंथावली, हरियाणा साहित्य अकादमी।

5. लोक साहित्य : पाठ और परख - विद्या सिन्हा, अर्वाचीन प्रकाशन, नोएडा।

6.लवकाय ठाकुर यशिनावरी - (संपादक) प्रो. वीरेंद्र नारायण यादव, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।

7.परंपराशील नाट्य - जगदीशचंद्र माथुर, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।

8.हमारे लोकधर्मी नाट्य - श्याम परमार, लोकवांग, उदयपुर, राजस्थान।

9.पारंपरिक भारतीय रंगमंच: अनंत धाराएं - कपिला वात्स्यायन।

निर्देश:

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की संख्या चार होगी जिसमें से परीक्षार्थियों को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 20 अंकों का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम में से कुल दस लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थियों को 200 शब्दों में किन्हीं छह प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अतिलघु प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

सेमेस्टर-I

DSE1- हिंदी लोककथाएँ : उद्भव और विकास

COURSE ID-241/HIN/DSE101

पूर्णांक - 75

आंतरिक मूल्यांकन- 25

लिखित – 50

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

1. विद्यार्थियों को भारतीय लोकनाट्य साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन करना।

2. लोक-जीवन और लोक-संस्कृति की जानकारी देना, हिंदी लोकनाट्य शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना।

पाठ्यक्रम परिणाम :

1. लोकनाट्य की संपूर्ण भारतीय परंपरा का परिचय प्राप्त होगा।

2. विभिन्न प्रादेशिक लोक-नाट्य रूपों के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी।

3. आधुनिक हिंदी रंगमंच के संदर्भ में विभिन्न लोक-नाट्य शैलियों का ज्ञान प्राप्त होगा।

पाठ्यक्रम:

इकाई- 1 लोक साहित्य का परिचय - लोक शब्द की व्युत्पत्ति, अर्थ व विश्लेषण

➢ लोकवार्ता व लोक साहित्य , लोकसाहित्य की विभिन्न विधाएं

इकाई- 2 लोककथा का इतिहास व वर्गीकरण

➢ लोककथा- अर्थ, अवधारणा, स्वरूप , लोककथा का इतिहास, विकास व परंपरा , लोककथा का वर्गीकरण

इकाई-3 भारत के विभिन्न प्रदेशों की लोककथाएँ

➢ लोककथा में कथावाचक और श्रोता की भूमिका , श्रुति परंपरा में लोककथा , वक्ता और श्रोता का दायित्व

इकाई-4 : हरियाणवी, राजस्थानी लोककथाओं की लोकपरंपराएँ

निर्देश-

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की संख्या चार होगी जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा

प्रश्न कुल 20 अंकों का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम में से कुल दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

प्रस्तावित पुस्तकें:

1. हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास- सोलहवां भाग, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. भारतीय लोकसाहित्य- परंपरा और परिदृश्य, विद्या सिन्हा, प्रकाशन, विभाग, नई दिल्ली
3. लखमीचंद ग्रंथावली, हरियाणा साहित्य अकादमी
4. लोक साहित्य- पाठ और परख-विद्या सिंहा, आरुषि प्रकाशन, नोएड
5. ब्रज की लोक कथाएं एक अध्ययन- डॉ. ब्रजभूषण चतुर्वेदी 'दीपक' वृन्दावन शोध संस्थान
6. भारतीय लोक साहित्य- श्याम परमार, राजकमल पब्लिक, मुम्बई

एम.ए. हिंदी

प्रथम सेमेस्टर (MDC प्रथम प्रश्न पत्र)

पूर्णांक :75

आंतरिक मूल्यांकन : 25

लिखित : 50

Course ID	241/HIN/MD101	Credit
Course Title	हिंदी यात्रा साहित्य	3

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

➢ विद्यार्थियों को यात्रा साहित्य के माध्यम से समाज एवं संस्कृति के विविध पहलुओं से परिचित कराना।

➢ विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता की भाव-बोध को जागृत करना , विद्यार्थियों को यात्रा साहित्य के इतिहास की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम :

➢ यात्रा वृत्तांत के माध्यम से पर्यटन के प्रति रुचि विकसित होगी , विद्यार्थी यात्रा साहित्य के लेखकों से परिचित होंगे।

➢ विद्यार्थी यात्रा वृत्तांत के साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्त्व से परिचत होंगे।

पाठ्यक्रम:

इकाई 1 : यात्रा साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

➢ यात्रा साहित्य का अर्थ और स्वरूप , यात्रा साहित्य का महत्त्व , यात्रा साहित्य की विशेषताएँ

इकाई 2 : हिंदी यात्रा साहित्य का विकासात्मक परिचय

➢ स्वतंत्रता पूर्व हिंदी यात्रा साहित्य : सामान्य परिचय

➢ यात्रा साहित्य का सामाजिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य

इकाई 3 : पाठपरक अध्ययन-**1**

- **किन्नर देश में-** राहुल सांकृत्यायन
- **अरे यायावर रहेगा याद-** सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

इकाई 4 : पाठपरक अध्ययन-**2**

- **चीडों पर चाँदनी**- निर्मल वर्मा (अनुक्रम के अनुसार केवल 9वां यात्रा संस्मरण 'चीड़ों पर चाँदनी')
- **कामाख्या क्षेत्रे गुवाहाटी नगरे**- सांवरमल सांगानेरिया (पुस्तक : ब्रह्मपुत्र के किनारे-किनारे)

निर्देश-

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की संख्या चार होगी जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 20 अंकों का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कुल दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

सहायक ग्रंथों की सूचीः

1. सांगानेरिया, सांवरमल, ब्रह्मपुत्र के किनारे-किनारे, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
2. सांकृत्यायन, राहुल, किन्नर देश में, किताब महल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
3. अज्ञेय, अरे यायावर रहेगा याद, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. वर्मा, निर्मल, चीड़ों पर चाँदनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. उप्रेती, रेखा प्रवीण, हिंदी का यात्रा साहित्य, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली।
6. नगेंद्र, डॉ., साहित्य का समाजशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
7. अग्रवाल, वासुदेव शरण, कला और संस्कृति, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. दिनकर, रामधारी सिंह, संस्कृति के चार अध्याय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. शर्मा, मुरारीलाल, हिंदी यात्रा साहित्य : स्वरूप और विकास, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली।

एम.ए. हिंदी

प्रथम वर्ष(द्वितीय सेमेस्टर)

CCA04-आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)

पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 30

लिखित : 70

Course ID	241/HIN/CC204	Credit
Course Title	आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)	4

पाठयक्रम उद्देश्य:

आधुनिक हिंदी कविता का विश्लेषणात्मक ज्ञान

आधुनिक हिंदी कविता के विविध रूप

पाठयक्रम परिणाम:

आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियां की समझ

आधुनिक हिंदी कविता के विविध आयाम एवं प्रमुख कवियों की उत्कृष्ट रचनाओं का अध्ययन

पाठ्य विषय

इकाई – क

सच्चिदानन्द हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय : असाध्य वीणा, सोन मछली, एक बूँद सहसा उछली
नागार्जुन : चन्दू मैंने सपना देखा, बादल को घिरते देखा है, बाकी बच गया अण्डा, अकाल और उसके बाद, मास्टर, शासन की बन्दूक, आओ रानी हम ढोयेंगे पालकी, तीन दिन तीन रात।
गजानन माधव मुक्तिबोध : अंधेरे में, भूल गलती
रघुवीर सहाय : पढ़िए गीता, किले में औरत, बड़ी हो रही है लकड़ी, रामदास, औरत की चीख, पैदल आदमी, पानी पानी बच्चा बच्चा।

इकाई – ख

आलोच्य विषय

अज्ञेय : प्रयोगवादी परम्परा और अज्ञेय, अज्ञेय का काव्य वैशिष्ट्य, अज्ञेय की असाध्य वीणा का प्रतिपाद्य, काव्य भाषा

नागार्जुन : नागार्जुन का काव्य वैशिष्ट्य, यथार्थ चेतना और लोक दृष्टि, राजनीतिक दृष्टि, नागार्जुन की काव्य भाषा, काव्य शिल्प

गजानन माधव मुक्तिबोध : मुक्तिबोध का काव्य संसार, मुक्ति बोध की विश्व दृष्टि, सामाजिक चेतना, काव्य शिल्प

रघुवीर सहाय : स्वातन्त्रयोत्तर युग और रघुवीर सहाय की कविता, रघुवीर सहाय का राजनैतिक परिप्रेक्ष्य, रघुवीर सहाय की कविताओं में सामाजिक यथार्थ, काव्य वैशिष्ट्य

सहायक ग्रंथ

1 नागार्जुन का रचना संसार : सम्पा० विजय बहादुर सिंह
2 आलोचना का नागार्जुन विशेषांक
3 सागर से शिखर तक : राम कमल राय (लोकभारती)
4 पूर्वग्रह का अज्ञेय अंक
5 फिलहाल : अशोक वाजपेयी
6 रघुवीर सहाय का कवि कर्म : सुरेश शर्मा
7 रघुवीर सहाय : सम्पादक विष्णुनागर और असद जैदी, आधार प्रकाशन, पंचकूला।
8 अज्ञेय कवि : डॉ० ओम प्रकाश अवस्थी
9 अज्ञेय की रचना संसार : सम्पादक गंगा प्रसाद विमल
10 अज्ञेय की कविता एक मूल्यांकन : डॉ० चन्द्रकांत वांदिवडेकर
11 अज्ञेय : कवि और काव्य : डॉ० राजेन्द्र प्रसाद
12 अज्ञेय : सृजन और संघर्ष
13 अज्ञेय : सम्पादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
14 आज के प्रतिनिधि कवि अज्ञेय : डॉ० विद्या निवास मिश्र
15 नागार्जुन की कविता : डॉ० अजय तिवारी
16 नागार्जुन की काव्य यात्रा : रतन कुमार पाण्डेय
17 नागार्जुन की कविता में युगबोध : चन्द्रिका ठाकुर
18 नागार्जुन और उनका रचना संसार : विजय बहादुर सिंह
19 आलोचना नागार्जुन विशेषांक 1981
20 नागार्जुन का काव्य और युग : अंतः संबंधों का अनुशीलन – जगन्नाथ पंडित
21 मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया : अशोक चक्रधर
22 मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना : नन्द किशोर नवल
23 मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब : चंचल चौहान
24 मुक्तिबोध की आत्मकथा : विष्णु चंद शर्मा
25 मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता : डॉ० लल्लन राय मंथन पब्लिकेशंस, रोहतक।
26 अज्ञेय की काव्य चेतना : डॉ० कृष्ण भावुक, साहित्य प्रकाशन, भालीवाड़ा दिल्ली।

निर्देश –

1 इकाई क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंकों का होगा।

2 प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए इकाई–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होंने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

एम.ए. हिंदी

प्रथम वर्ष(द्वितीय सेमेस्टर)

पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 30

लिखित : 70

Course ID	241/HIN/CC205	Credit
Course Title	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

- हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान एवं इतिहास लेखन|
- प्रमुख इतिहास ग्रंथ और विभिन्न युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

- इतिहास लेखन और इतिहास की समझ विकसित होगी ।
- हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

पाठ्यक्रम:

इकाई -1

- आधुनिक हिंदी साहित्येतिहास परिवेश, राजनीतिक ,सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक एवं साहित्यिक,1857 ई की राज्यक्रांति और पुनर्जागरण| भारतेंदु युग : प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएं,
- द्विवेदी युग: प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएं
- छायावादी काव्य: प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएं

इकाई -2 उत्तर छायावादी काव्य: प्रतिनिधि रचनाकार एवं प्रवृत्तियां

- प्रगतिवाद: प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएं
- प्रयोगवाद प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएं
- नई कविता प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएं
- नवगीत: प्रमुख रचनाकार एवं प्रवर्तिगत विशेषताएं
- समकालीन कविता: प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएं

इकाई -3 - हिंदी गद्य विधाओं का उद्भव और विकास - कहानी ,नाटक ,संस्मरण, जीवनी ,उपन्यास, निबंध, आत्मकथा|

इकाई-4 हिंदी के प्रचार में योगदान देने वाले प्रमुख संस्थाएं -नागरी प्रचारिणी सभा (वाराणसी),हिंदी साहित्य सम्मेलन(प्रयाग),बिहार राष्ट्रभाषा परिषद(पटना), दक्षिण भारत प्रचार समिति (चेन्नई), केंद्रीय हिंदी संस्थान (आगरा),केंद्रीय सचिवालय हिंदी परिषद(दिल्ली), वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग नई दिल्ली)|

- हिंदी की प्रमुख पत्रिकाएं- कवि वचन सुधा ,हिंदी प्रदीप, आनंद कदंबिनी, ब्राह्मण, सरस्वती, प्रताप, मर्यादा ,सुधा ,माधुरी ,मतवाला ,विशाल भारत, चांद ,हंस , धर्म युग ।
- हिंदी के प्रमुख आंदोलन- ब्रजभाषा, ,खड़ी बोली आन्दोलन ,छायावादी आन्दोलन और छायावादोतर आन्दोलन , नयी कविता आन्दोलन, नयी कहानी आन्दोलन|
- हिंदी लेखन से सम्बंधित अन्य महत्वपूर्ण आन्दोलन|

संदर्भित पुस्तकें

- हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा ,काशी।
- हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ रामकुमार वर्मा, राम नारायण लाल, बेनी प्रसाद ,इलाहाबाद।
- हिंदी साहित्य की भूमिका, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी अंतर चंद्र कपूर एंड संस ,दिल्ली
- हिंदी साहित्य का इतिहास, संपादक,डॉ नगेंद्र ,नेशनल पब्लिशिंग हाउस ,दिल्ली।
- हिंदी का गद्य साहित्य डॉक्टर रामचंद्र तिवारी , नवदीप प्रकाशन ,वाराणसी।
- मध्यकालीन काव्य साधना,डॉक्टर रामचंद्र तिवारी, नवदीप प्रकाशन ,अयोध्या, फैजाबाद।
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, डॉक्टर बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन ,दिल्ली|

निर्देश:

- निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल चार प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा ।
- पूरे पाठ्यक्रम में कोई 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे ,जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्ही 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा ,प्रत्येक प्रश्न चार अंको का होगा, पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।
- पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

एम.ए. हिंदी

प्रथम वर्ष(द्वितीय सेमेस्टर)

CCA06-भारतीय काव्यशास्त्र

पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 30

लिखित : 70

Course ID	**241/HIN/CC206**	**Credit**
Course Title	**भारतीय काव्यशास्त्र**	4

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

- भारतीय काव्यशास्त्र की सामाजिक विकसित होगी
- कृतियों के विश्लेषण हेतु भारतीय चिंतन का पक्ष स्पष्ट होगा

पाठ्यक्रम परिणाम:

- भारतीय काव्यशास्त्र की जानकारी अतीत और वर्तमान की कृतियों के बीच आलोचनात्मक संबंध निर्माण करती है
- भारतीय चिंतन परंपरा की समझ विकसित होगी

पाठ्यक्रम:

इकाई 1 :काव्य स्वरूप और प्रकार

- काव्य :अर्थ , परिभाषा ,काव्य लक्षण, काव्य के तत्व, काव्य सृजन की प्रक्रिया ,काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन
- काव्य भेद :महाकाव्य ,खंडकाव्य, गीतिकाव्य ,चंपू काव्य

इकाई 2:रस सिद्धांत

- रस परिभाषा और स्वरूप , रस निष्पत्ति , साधारणीकरण
- सहृदय की अवधारणा

इकाई 3:

- **अलंकार सिद्धांत** :स्वरूप तथा स्थापना ,अलंकार के भेद- उपभेद
- **रीति सिद्धांत:** स्वरूप तथा स्थापनाएं , रीति के भेद -उपभेद
- **ध्वनि सिद्धांत:** स्वरूप तथा स्थापनाएं, ध्वनि के भेद- उपभेद , गुणिभूत व्यंग्य ,चित्र काव्य
- **वक्रोक्ति सिद्धांत**:स्वरूप तथा स्थापना, एवं वक्रोक्ति के भेद - उपभेद
- **औचित्य सिद्धांत** :स्वरूप तथा स्थापनाएं

इकाई 4: हिंदी के प्रमुख आलोचक तथा उनकी आलोचना दृष्टि :आचार्य रामचंद्र शुक्ल , आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी , डॉ. रामविलास शर्मा , डॉ. नगेंद्र

निर्देश :

1.निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल चार कर प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

2 . पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा पूरा प्रश्न 24 अंको का होगा।

3 .पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा।

संदर्भित पुस्तक:

1. काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन ,वाराणसी

2. हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास भगीरथ मिश्र ,लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

3. भारतीय काव्यशास्त्र- योगेंद्र प्रताप सिंह, लोक भारती प्रकाशन ,इलाहाबाद

4. भारतीय काव्यशास्त्र -सत्यदेव चौधरी ,अलंकर प्रकाशन, नई दिल्ली

5. काव्य के रूप - गुलाब राय प्रतिभा प्रकाशन मंदिर ,दिल्ली

6. साहित्य लोचन - श्यामसुंदर दास ,इंडियन प्रेस, प्रयाग

7.हिंदी आलोचना - उद्भव और विकास- भगवत स्वरूप मिश्र, साहित्य सदन ,देहरादून

8.आलोचक और आलोचना- बच्चन सिंह ,विश्वविद्यालय प्रकाशन दिल्ली

9.प्रगतिशील हिंदी आलोचना की रचना प्रक्रिया- हौसिला प्रसाद सिंह ,विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी

10.साहित्य का आधार दर्शन- जय नाथ 'नलिन' , आलोक प्रकाशन ,भिवानी

एम.ए. हिंदी

प्रथम वर्ष (सेमेस्टर- द्वितीय)

DSE02-हिंदी भाषा और लोक साहित्य

पूर्णांक: 75

आंतरिक मूल्यांकन: 25

लिखित: 50

Course ID	**241/HIN/DSE202**	**Credit**
Course Title	**हिंदी भाषा और लोक साहित्य**	3

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

1. विद्यार्थियों को लौकिक साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन करना।

2. लोक-जीवन और लोक-संस्कृति की जानकारी देना।

3. हिंदी भाषा और लौकिक साहित्य की शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम

1. हिंदी लौकिक साहित्य की समग्र परंपरा का परिचय प्राप्त होगा।

2. विविध प्रादेशिक लौकिक साहित्य के रूपों की जानकारी प्राप्त होगी।

3. आधुनिक हिंदी रंगमंच के संदर्भ में विविध साहित्य के स्वरूप की समझ विकसित होगी।

इकाई एक: हिंदी भाषा का विकास

- ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- प्राचीन भारतीय आर्य भाषा : वैदिक व लौकिक संस्कृत

- मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषा: पाली, प्राकृत व अपभ्रंश

- आधुनिक भारतीय आर्य भाषा और उसका वर्गीकरण

इकाई दो: हिंदी भाषा के विविध रूप

- राष्ट्रभाषा और राजभाषा के रूप में
- हिंदी माध्यम भाषा, संचार भाषा
- हिंदी का आधुनिक विकास और संवैधानिक स्थिति
- हिंदी का वैश्विक रूप

इकाई तीन: हिंदी के लौकिक साहित्य का स्वरूप

- सर्वेक्षण और संकलन
- लौकिक साहित्य का स्वरूप
- भारत में लोक साहित्य संबंधी अध्ययन और अनुसंधान
- लोक साहित्य में अभिव्यक्ति और अनुभूति का दर्शन

इकाई चार: हिंदी लोक संस्कृति क्षेत्र और लोक शैलियां - लोकगीत,देवी गीत,संस्कार गीत, ऋतु गीत,संगीत,लोक गाथा, लोक आख्यान,पंडवानी,रामलीला,नौटंकी, सांग ,विदेशिया

निर्देश:

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की संख्या चार होगी जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 20 अंकों का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कुल दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

संदर्भ:

1. भारतीय आर्य भाषा और हिंदी - सुनीति कुमार चटर्जी, राजकमल प्रकाशन

2. हिंदी भाषा का इतिहास - धीरेंद्र वर्मा, हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयाग

3. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास - उदय नारायण तिवारी, भारती भंडार

4. भाषा विज्ञान रसायन - कैलाश नाथ पांडे

5. हिंदी भाषा का इतिहास - भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

एम.ए. हिंदी

सेमेस्टर- द्वितीय

DSE- 02- हिंदी में अनूदित विश्व साहित्य

पूर्णांक : 75

आन्तरिक मूल्यांकन : 25

लिखित : 50

Course ID	241/HIN/DSE202	Credit
Course Title	हिंदी में अनूदित विश्व साहित्य	3

इकाई 1 :

- विश्व साहित्य की अवधारणा , विश्व साहित्य का इतिहास
- विश्व साहित्य के अध्ययन की समस्याएं , विश्व साहित्य में हिंदी साहित्य की अवधारणा एवं प्रासंगिकता

इकाई 2 : हिंदी में अनूदित विश्व साहित्य की परंपरा

- **भारतेंदु - दुर्लभ बंधु**
- **शुक्ल- कल्पना का आनंद**

इकाई 3 :

- **चेखव की कहानियां :** पीपुल्स पब्लिकेशन हाउस
- **न्यायप्रिय :** अल्मेयर कामू

पुस्तकें-

- भारतीय ज्ञान परंपरा और विचारक : शुक्ल, रजनीश कुमार, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
- भारतबोध का नया समय : द्विवेदी, संजय, यश प्रकाशन, नई दिल्ली
- संतों के संवाद, उदय प्रताप सिंह, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत नई दिल्ली
- भक्ति का संदर्भ : देवी शंकर अवस्थ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

- सात भारतीय संत- जीवन दर्शन और संदेश, डॉ. बलदेव वंशी, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत नई दिल्ली
- रामचरितमानस, तुलसीदास, गीताप्रेस गौरखपुर
- निर्गुण संतों के स्वप्न, डेविड एन. लॉरेंजन, अनुवाद धीरेन्द्र बहादुर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

निर्देश:

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की संख्या चार होगी जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 20 अंकों का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कुल दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

एम.ए. हिंदी

सेमेस्टर- द्वितीय

MDC02--गांधी दर्शन एवं हिंदी साहित्य

पूर्णांक : 75

आन्तरिक मूल्यांकन : 25

लिखित : 50

Course ID	**241/HIN/MD202**	**Credit**
Course Title	**गांधी दर्शन एवं हिंदी साहित्य**	**3**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

- विद्यार्थियों को महात्मा गांधी के शब्द और कर्म से परिचित कराना।
- महात्मा गांधी के चिंतन और हिंदी साहित्य के अंतर्संबंधों का ज्ञान देना।
- स्वाधीनता आंदोलन के मूल्यों से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम :

- विद्यार्थी महात्मा गांधी के जीवन-दर्शन से परिचित होंगें।
- विद्यार्थी राष्ट्रीय आंदोलन में गांधी जी के नेतृत्व और उनकी लोकप्रियता के कारकों को समझेंगे।
- विद्यार्थी गांधी-दर्शन और हिंदी साहित्य के संबंधों को जानेंगे।

इकाई 1 : गांधी-दर्शन : अवधारणा और महत्त्व

- गांधी-दर्शन की अवधारणा , गांधी-दर्शन का विकास
- सत्य और अहिंसा , विश्व पटल पर गांधी-दर्शन

इकाई 2 : भारतीय साहित्यिक-सांस्कृतिक परंपरा और महात्मा गांधी

➢ गांधी का गीता भाष्य , गांधी और रामराज

➢ गांधी और सनातन संस्कृति

इकाई 3 : हिंदी कविता में गांधी

➢ **महात्मा जी के प्रति**- सुमित्रानंदन पंत

➢ **बापू** (चार प्रारंभिक अंश)- रामधारी सिंह दिनकर

➢ **तुम कागज़ पर लिखते हो**- भवानी प्रसाद मिश्र

इकाई- 4 : हिंदी गद्य में गांधी

➢ **पहला गिरमिटिया** (अंतिम 50 पृष्ठ)- गिरिराज किशोर

➢ **दांडी यात्रा** (पृष्ठ 30-67)- मधुकर उपाध्याय

निर्देश-1.पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की संख्या चार होगी जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 20 अंकों का होगा।

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कुल दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. गांधी, महात्मा, हिंद स्वराज, नवजीवन प्रकाशन, अहमदाबाद।
2. गांधी, महात्मा, सत्य के प्रयोग अथवा आत्मकथा, नवजीवन प्रकाशन, अहमदाबाद।
3. कृपलानी, कृष्ण, गांधी एक जीवनी, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली।
4. कृपलानी, जे. बी., जीवन और दर्शन, प्रकाशन, विभाग, नई दिल्ली।
5. आचार्य, नंद किशोर, अहिंसा की संस्कृति, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. धर्माधिकारी, दादा, गांधी की दृष्टि, सर्व सेवा संघ प्रकाशन, वाराणसी।
7. मिश्र, श्री प्रकाश, अहिंसा का उत्तर आधुनिक परिप्रेक्ष्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।
8. मिश्र, दयानिधि, गांधी और हिंदी सृजन संदर्भ, सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली
9. पारेख, भीखू, गांधी, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नयी दिल्ली।

एम.ए. हिंदी

सेमेस्टर - तृतीय

CC-A07-प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

लिखित परीक्षा:70 अंक

Course ID	**241/HIN/CC307**	**Credit**
Course Title	**प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य - 1**	4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य और परिणाम:

1.पृथ्वीराज रासो के अध्ययन के माध्यम से आदिकालीन रासो काव्यों की प्रवृत्तियों को समझना।

2.विद्यापति के अध्ययन के माध्यम से मैथिल कोकिल की रचनाओं में संचरित श्रृंगार के विभिन्न पक्षों को हृदयगम किया जाता है।

3. काव्य जगत् के महान् नायकों कबीर, सूर, तुलसी के कार्य के अध्ययन के माध्यम से अनुभूति, अभिव्यक्ति और वैचारिकता के उत्कर्ष को आत्मसात् करना एवं जानना।

4रीतिकाल के अध्ययन के माध्यम से श्रृंगारिकिता के विविध पक्षों के अध्ययन के साथ-साथ वीर रसात्मक कविताओं के अध्ययन की प्रेरणा को भी अधिगत किया जाता है।

पाठ्यक्रम:

(क) व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

- **चन्दरबरदायी** : पृथ्वीराज रासो का पदमावती समय : संपादक माताप्रसाद गुप्त
- **विद्यापति :** विद्यापति की पदावली : संपादक-रामवृक्षबेनीपुरी-(निर्धारित पद)- 1,2,4,8,9,11,12,14,35,38, 62,72,141,144,145,174,176,178,190,191,199(अ),216,252,235,253- कुल 25 पद
- **कबीर** -कबीर : संपादक : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी-(निर्धारित अंश) **(I) पाठ्य साखियाँ**- 106, 113, 115, 148, 157, 161, 162, 175, 176, 177, 178, 190, 191, 200, 201, 202, 203, 204, 219,

220, 221, 222, 203, 231, 232, 233, 234, 235, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 245, 246, 255, 256

(II) पाठ्य पद- 110, 130, 134, 137, 159, 160, 163, 168, 184, 192, 207, 209, 211, 212, 215, 218, 224, 227, 228, 229, 125, 247, 250, 253, 254- कुल 25 पद

(ख) आलोचनात्मक प्रश्न:

चन्दबरदायी:पृथ्वीराज रासो की प्रमाणिकता , पृथ्वीराज रासो का वस्तु-वर्णन , पद्मावती समय का काव्य-सौन्दर्य

विद्यापति :विद्यापति : भक्त या श्रृंगारी कवि , विद्यापति का श्रृंगार वर्णन , विद्यापति का सौन्दर्यबोध , विद्यापति की गीतियोजना , विद्यापति का काव्य-शिल्प

कबीर:कबीर की सामाजिक विचारधारा , कबीर की निर्गुणोपासना , कबीर की भक्ति , कबीर का दार्शनिक चिन्तन , कबीर की प्रासंगिकता , कबीर का काव्य-शिल्प

पाठ्य पुस्तकें-

1. पृथ्वीराज रासो : साहित्यिक मूल्यांकन डॉ. द्विजराम यादव, साहित्य लोक प्रकाशन, कानपुर
2. चन्दबरदायी और उनका काव्य, विपिन बिहारी त्रिवेदी एवं हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद।
3. विद्यापति का सौन्दर्यबोध- डॉ. रामसजन पाण्डेय, अनंग प्रकाशन मन्दिर, दिल्ली।
4. विद्यापति : व्यक्ति और कवि-डॉ. रामसजन पाण्डेय, दिनमान प्रकाशन, दिल्ली
5. कालजयी कबीर- डॉ. हरमेन्द्र सिंह बेदी, गुरु नानक देव युनिवर्सिटी, अमृतसर।
6. कबीर मीमांसा- डॉ. रामचन्द्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, वाराणसी।
7. कबीर : व्यक्ति, कृतित्व और सिद्धान्त- डॉ. सुरनाम सिंह शर्मा, भारतीय शोध संस्थान, जयपुर।
8. संत कबीर- रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद।

निर्देश-1.खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। परीक्षार्थी को तीनों अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के 5 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।

2.प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड-ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग-अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 30 अंक का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।

4.पूरे पाठ्यक्रम में 9 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

एम.ए. हिंदी

तृतीय सेमेस्टर

CC-AO8-आधुनिक गद्य साहित्य

पूर्णांक :100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

लिखित : 70 अंक

Course ID	**241/HIN/CC308**	**Credit**
Course Title	**आधुनिक गद्य साहित्य**	4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य और परिणाम:

1.आधुनिक गद्य-साहित्य नई सोच और नये दृष्टिकोण को विकसित करता है।

2.आधुनिक गद्य-साहित्य ने हमें प्रत्यक्षतः तथा परोक्षतः पुनर्जागरण के लिए प्रेरित किया।

3.आधुनिक गद्य-साहित्य परिवेश और मनुष्य के बीच के सम्बन्ध को बखूबी समझता है।

4.आधुनिक गद्य-साहित्य परिवेशगत अवमूल्यन पर चोट करता है।

पाठ्यक्रम:

पाठ्य विषय:

1.**गोदान-** प्रेमचंद उपन्यास

2.**आधे अधूरे** - मोहन राकेश

3.**कथान्तर** - संपा. डॉ. परमानंद श्रीवास्तव, राजकमल दिल्ली निर्धारित कहानियाँ- उसने कहा था, कफन,आकाशदीप, पत्नी, गैंग्रीन, वापसी, लाल पान की बेगम।

4.**निर्धारित निबंध** - मजदूरी और प्रेम, कविता क्या है, नाखून क्यों बढ़ते हैं।

आलोच्य विषय:

1.गोदान- कृषक जीवन का महाकाव्य , युगीन समस्याओं का निरूपण , प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण , प्रेमचंद के

साहित्य में गोदान का स्थान

2.कहानी संग्रह- पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की मूल संवेदना और शिल्प

3.आधे अधूरे- आधुनिकता बोध, परिवार संस्था का स्वरूप, प्रयोगधर्मिता, चरित्र-चित्रण।

4.निबंध- पाठ्यक्रम में निर्धारित निबंधों का मूल प्रतिपाद्य एवं शिल्प।

सहायक ग्रंथ-

1. गोदान : विविध संदर्भों में : डॉ रामाश्रय मिश्र, उन्मेष प्रकाशन, हरिद्वार।
2. प्रेमचंद और उनका युग : डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. गोदान : मूल्यांकन और मूल्यांकन : डॉ. इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिंदी उपन्यास : पहचान और परख : डॉ. इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली।
5. कहानी : नई कहानी- डॉ. रामवर सिंह, लोक भारती, इलाहाबाद।
6. हिंदी कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव, नेशनल, पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
7. हिंदी कहानी : एक नई दृष्टि : डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, संभावना प्रकाशन, दिल्ली।
8. हिंदी कहानी : एक अन्तर्यात्री : डॉ. वेद प्रकाश अमिताभ, अभिसार प्रकाशन, मेहसाना।
9. हिंदी कहानी : रचना प्रक्रिया : परमानन्द श्रीवास्तव, ग्रंथम् कानपुर।
10. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी, लोक भारती, इलाहाबाद।
11. आचार्य रामचंद्र शुक्ल निबंध यात्रा: डॉ कृष्ण देव, इतिहास, शोध संस्थान, नई दिल्ली।
12. हिंदी साहित्य में निबंध का विकास: ओंकार नाथ शर्मा ,अनुसंधान, प्रकाशन कानपुर

निर्देश :1.खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। कुल पांच अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 15 अंकों का होगा।

2.प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई चार प्रश्न करने होंगे। चारो प्रश्न अलग-अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित हैं पूरा प्रश्न 32 अंकों का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंकों का होगा।

4.पूरे पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक होगा।

एम.ए. हिंदी

सेमेस्टर तृतीय

CC-AO9 पाश्चात्य काव्य शास्त्र

पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

लिखित : 70 अंक

Course ID	**241/HIN/CC309**	**Credit**
Course Title	**पाश्चात्य काव्य शास्त्र**	**4**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य और परिणाम:

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का परिचय देना जिससे साहित्यिक समझ एवं दृष्टि विकसित होती है।

2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्तों का ज्ञान करना

3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के साम्य-वैषम्य और उनके कारणों पर विचार करना।

4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकास का परिचय देना

5.नई समीक्षा के सिद्धान्तों का ज्ञान कराना

6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का साहित्य में महत्त्व और उपादेयता पर विचार करना।

7.आलोचना की विविध प्रणालियों तथा नई अवधारणाओं का परिचय देना।

<u>पाठ्यक्रम:</u>

पाश्चात्य काव्यशा्स्त्र :

- प्लेटो : काव्य सिद्धान्त
- अरस्तू : अनुकरण तथा विरेचन सिद्धान्त
- लोंजाइंस: उदात्त की अवधारणा
- ड्राइडन : काव्य सिद्धांत

- कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत
- टी.एस. इलियट : निर्वैयक्ति का सिद्धांत

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धांत और वाद-

- स्वच्छन्दतावाद
- अभिव्यंजनावाद
- मार्क्सवाद
- फ्रायडवाद

सहायक ग्रंथ :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त, डॉ. मैथिलीप्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र-देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा- डॉ. तारकनाथ बाली, शब्दकार, दिल्ली
4. आलोचक और आलोचना- बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली
5. प्रगतिशील हिंदी आलोचना की रचना प्रक्रिया- हौसिलाप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. पाश्चात्य काव्य चिंतन- डॉ. करूणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली।
7. पाश्चात्य काव्य शास्त्र : अधुनातन संदर्भ-सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. हिंदी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार- रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

निर्देश-

1. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को इनमें से कोई चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 44 अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

एम.ए. हिंदी

तृतीय सेमेस्टर

DSE03- हिंदी भाषा एंव कोश विज्ञान

पूर्णांक : 75 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

लिखित : 50 अंक

Course ID	**241/HIN/CCDSE303**	**Credit**
Course Title	**हिंदी भाषा एंव कोश विज्ञान**	**3**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1.कोश के रूप की सैद्धांतिक जानकारी देना।

2.कोश निर्माण की प्रक्रिया से अवगत कराया जायेगा।

पाठ्यक्रम के परिणाम: :

1.कोश के रूप की सैद्धांतिक जानकारी देन और शब्दकोश, समानान्तर कोश, लोकोक्ति-मुहावरा कोश, सन्दर्भ कोश, आदि के निर्माण की प्रविधि सिखाना

2.कोश विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी देते हुए अन्य विषयों के अंतरसंबंध।

3.कोश निर्माण की प्रक्रिया से अवगत कराना।

4.कंप्यूटर में कोश विज्ञान की भूमिका को प्रतिपादित करना।

पाठ्यक्रम:

खण्ड क:

कोश : परिभाषा और स्वरूप, कोश की उपयोगिता, कोश और व्याकरण का अंतःसंबंध

खण्ड ख:

कोश विज्ञान और अन्य विषयों का संबंध : पाश्चात्य कोश परंपरा, हिंदी कोश साहित्य का इतिहास, हिंदी के

प्रमुख कोश और कोशकार , कोश-निर्माण : विज्ञान या कला

खण्ड ग:

कोश-निर्माण की प्रक्रिया : सामग्री संकलन, प्रविष्टिक्रम, व्याकरणिक कोटि, उच्चारण, व्युत्पत्ति, अर्थ (पर्याय, व्याख्या, चित्र) प्रयोग, उप-प्रविष्टयां, संक्षिप्तियां, संदर्भ और प्रतिसंदर्भ।

खण्ड घ:

कंप्यूटर और कोश-निर्माण , कंप्यूटर में हिंदी वर्णमाला तथा वर्तनी के मानकीकरण की समस्या

कंप्यूटर में हिंदी की-बोर्ड के विविध रूप , वैव पब्लिशिंग तथा इंटरनेट सामग्री सृजन

सहायक पुस्तकें :

1.हिंदी शब्द सामर्थ्य, शिवनारायण चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली।

2.भाषायी अस्मिता और हिंदी, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

3.हिंदी की वर्तनी तथा शब्द विश्लेषण, किशोरीदास वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

4. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, विजयकुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

5.अर्थानुशासन (शब्दार्थ-विज्ञान) राजकमल कोश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

6.शब्दानुशासन, किशेरीदास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

7.कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, विजयकुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

8.अर्थानुशासन (शब्दार्थ-विज्ञान) राजकमल कोश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

निर्देश-

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की संख्या चार होगी जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 20 अंकों का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम में से कुल दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

एम.ए. हिंदी तृतीय सेमेस्टर

DSE03-हिंदी भाषा: व्यवहारिक कौशल एवम अभिवृद्धि

पूर्णांक : 75अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 25

लिखित : 50

Course ID	**241/HIN/DSE303**	**Credit**
Course Title	**हिंदी भाषा: व्यवहारिक कौशल एवम अभिवृद्धि**	**3**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

हिंदी भाषा, सम्प्रेषण कौशल एवं समीक्षा का व्यवहारिक ज्ञान

हिंदी कमेन्टी (आँखों देखा हाल) की प्रस्तुति हेतु विश्लेषणात्मक ज्ञान।

पाठ्यक्रम के परिणाम: :

हिंदी भाषा, सम्प्रेषण, पुस्तक समीक्षा की सैद्धान्तिक समझ।

आँखों देखा हाल (कमेन्ट्री) के लिए आवश्यक गुण विकसित करना।

पाठ्यक्रम:

इकाई-1 : सम्प्रेषण का अर्थ , सम्प्रेषण के विविध रूप , सम्प्रेषण के प्रयोजन , सम्प्रेषण की प्रक्रिया

इकाई-2 : पुस्तक समीक्षा से अभिप्राय , पुस्तक समीक्षा का महत्व , अच्छे समीक्षक के गुण

इकाई-3 : आँखों देखा हाल (कमेंट्री):तात्पर्य ,प्रकार एवं उपयोगिता

- आँखों देखा हाल (कमेंट्री) सम्बन्धी आवश्यक बातें
- कमेंट्री की विशेषताएँ , कमेंट्री से पूर्व तैयारी
- विभिन्न प्रकार की कमेंट्री

सहायक पुस्तकें :

1. हिंदी शब्द सामर्थ्य, शिवनारायण चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

2. भाषायी अस्मिता और हिंदी, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

3. हिंदी की वर्तनी तथा शब्द विश्लेषण, किशोरीदास वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

4. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, विजयकुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

5. अर्थानुशासन (शब्दार्थ-विज्ञान) राजकमल कोश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

6. शब्दानुशासन, किशोरीदास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

निर्देश-

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड से दो-दो प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थियों को कुल चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक खंड से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 32 अंक का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम से 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किहीं 4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

एम.ए. हिंदी

सेमेस्टर तृतीय

MDC 3-भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच

पूर्णांक : 75अंक

आंतरिक लिखित : 50 अंक

मूल्यांकन: 25 अंक

Course ID	**241/HIN/MD303**	**Credit**
Course Title	**भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच**	**3**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1.भारतीय एवं पाश्चात्य रंग सिद्धांतों का स्वरूपगत विभेद तथा परंपरा का आद्यंत परिचय।

2.भारतीय एवं पाश्चात्य विविध नाट्य रूपों के दार्शनिक चिंतन के अंतर की जानकारी।

3.भारतीय तथा पाश्चात्य नाट्य रूपों की व्यावहारिक तथा प्रयोगात्मक जानकारी।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम:

1.भारतीय एवं पाश्चात्य रंग परंपराओं के भेद तथा प्रकारों का परिचय प्राप्त हो सकेगा।

2.भारतीय एवं पाश्चात्य रंग परंपराओं के आदान-प्रदान से निर्मित आधुनिक नाट्य रूपों की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

3.भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य रूपों की विविधता से परिचय के बाद समकालीन रंग परिदृश्य की बेहतर समझ विकसित होगी।

<u>पाठ्यक्रम</u>

इकाई-1 :

- नाटक की भारतीय अवधारणाएं (उत्पत्ति तथा स्वरूप संबंधी मान्यताएं)
- नाटक की पाश्चात्य अवधारणाएं (उत्पत्ति तथा स्वरूप संबंध मान्यताएं)

इकाई-2 :

➢ भारतीय नाट्यरूप : रूपक, उपरूपक, नाटक (प्रकार तथा भेद)

➢ आधुनिक भारतीय नाट्यरूप : काव्य नाटक, एकांकी, रेडियो नाटक, नुक्कड़ नाटक

इकाई-3 **:**

- अरस्तू: अनुकरण सिद्धांत
- अरस्तू: विरेचन सिद्धांत

इकाई-4 **:**

- पाश्चात्य नाट्यरूप: त्रासदी, ड्रामा
- पाश्चात्य नाट्यरूप: कॉमेडी , मेलोड्रामा

सहायक पुस्तकें :

1. भारतीय रंगमंच - ईश्वर चंद्र विद्यासागर

2. नाट्यशास्त्र- भरतमुनि (पारंपरिक नाट्य शास्त्र)

3. भारत में रंगमंच - शंकर पाटिल

4. नाट्यशास्त्र और भारतीय रंगमंच - रामचंद्र शुक्ल

5. **पाश्चात्य रंगमंच का इतिहास- एरिक बेनम**

6. The Empty Space - Peter Brook

7. Theatre of the Oppressed- Augusto Boal

8. Modern Theories of Theatre- David Edgar

भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच का तुलनात्मक अध्ययन पुस्तकें :

1. Theatre in India: A Historical Perspective- D. S. L. Nair

2. Indian Theatre: A Historical Survey- S. K. Bhattacharya

3. World Theatre: An Introduction- Michael Hinden

निर्देश-1.पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की संख्या चार होगी जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 20 अंकों का होगा।

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कुल दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

चतुर्थ सेमेस्टर

CC-A10- प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य - 2

पूर्णांक:100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

लिखित : 70 अंक

Course ID	241/HIN/CC410	Credit
Course Title	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य - 2	4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य और परिणाम:

1.'पृथ्वीराज रासो' के अध्ययन के माध्यम से आदिकालीन रासो काव्यों की प्रवृत्तियों को समझना।

2.विद्यापति के अध्ययन के माध्यम से मैथिल कोकिल की रचनाओं में संचरित श्रृंगार के विभिन्न् पक्षों को हृदयगम किया जाता है।

3.मध्यकाल के अन्तर्गत परिगणित भक्तिकाल को साहित्य में 'स्वर्णयुग' के नाम से जाना जाता है। अतः यहाँ पर काव्य जगत के महान नायकों कबीर, सूर, तुलसी के काव्य के अध्ययन के माध्यम से अनुभूति, अभिव्यक्ति और वैचारिकता के उत्कर्ष को आत्मसात् करना एवं जानना।

4.रीतिकाल के अध्ययन के माध्यम से श्रृंगारिकता के विविध पक्षों के अध्ययन के साथ-साथ वीर रसात्मक कविताओं के अध्ययन की प्रेरणा को भी अधिगम किया जाता है।

पाठ्यक्रम:

(क) व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तकें

सूरदास:भ्रमरगीत सार : संपादक रामचन्द्र शुक्ल **-** पाठ्य पद-21 से 70-कुल 50 पद

तुलसीदास:कवितावली : व्याख्या के लिए निर्धारित पद

बालकाण्ड-1 से 7, 17, 20, 22

अयोध्या काण्ड-1, 2, 7, 11, 12, 19 से28

उत्तरकाण्ड- 26 से 60

बिहारी :बिहारी रत्नाकर- सं. जगन्नाथदास रत्नाकर- (निर्धारित दोहे)- 1, 2, 3, 4, 11, 13, 15, 19, 20, 21, 25, 31, 32, 38,42, 45, 46, 51, 42, 53, 54, 55, 60, 61, 66, 67, 69, 70, 71, 73, 74, 75, 76, 78, 83,

85, 87, 88, 94, 95, 102, 103, 104, 112, 121, 141, 142, 151, 154, 155, 171, 782, 188, 190, 191, 192, 201, 202, 207, 217, 225, 227, 228, 236, 251, 255, 285, 299, 300, 301, 303, 3017, 321, 327, 331, 341, 347, 349, 357, 363, 386, 388, 406, 407, 432, 472, 519, 557, 570, 576, 588, 606, 611, 624, 635, 677, 681, 713-100 दोहे।

(ख) आलोचनात्मक प्रश्न:

सूरदास:-भ्रमरगीत परम्परा और सूर काभ्रमरगीत , सूर की भक्ति भावना , सूर का श्रृंगार वर्णन , सूर का वात्सल्य वर्णन , सूर की भाषा-शैली , सूर का गीतियोजना , भ्रमरगीत का प्रतिपाद्य

तुलसीदास:तुलसीदास की भक्तिभावना , तुलसीदास की सामाजिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि , तुलसीदास की प्रासंगिकता , तुलसीदास की समन्वय भावना , कवितावली का काव्य रूप , कवितावली का काव्य सौष्ठव ,तुलसी की लोकमंगल-भावना

बिहारी : -सतसई काव्य परम्परा और बिहारी सतसई , मुक्तक काव्य परम्परा और बिहारी , बिहारी का श्रृंगार वर्णन,बिहारी का सौन्दर्यबोध ,बिहारी की बहुज्ञता , बिहारी का शिल्प पक्ष

सहायक ग्रंथ:

1.तुलसी दर्शन मीमांसा-उदयभानु सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।

2.तुलसीदास-चन्द्रबली पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

3.तुलसी साहित्य के सांस्कृतिक आयाम- डॉ. हरिश्चन्द्र वर्मा, हिंदी, साहित्य संस्थान, रोहतक।

4.तुलसी का मानस- डॉ. मुंशीराम शर्मा, कानपुर

5.सूर और उनका साहित्य- डॉ. हरिवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़।

6.सूर की साहित्य साधना- डॉ. भगवत्स्वरूप मिश्र एवं विश्वम्भर अरुण, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कंपनी, आगरा।

7.बिहारी-बच्चन सिंह, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।

8.महाकवि बिहारी का श्रृंगार निरुपण- डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

निर्देश-1.खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। परीक्षार्थी को तीनों अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।

2.प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड- ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग-अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अकं का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 8 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षीं को 200 शब्दों में किहीं पांच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।

4. पूरे पाठ्यक्रम में से 5 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

एम.ए. सेमेस्टर चतुर्थ
CCA11-नाटक एवं रंगमंच

पूर्णांक - 100

आंतरिक मूल्यांकन - 30

लिखित - 70

Course Code	CORE COURSE	Credit
Course Title	नाटक एवं रंगमंच	4

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

- हिंदी साहित्य के अंतर्गत नाटक का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
- विभिन्न नाटककारों और उनके नाटकों का विशिष्ट ज्ञान
- रंगमंच का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना (भारतीय,पाश्चात्य और लोक सांस्कृतिक)

पाठ्यक्रम परिणाम:

- हिंदी साहित्य के नाटकों का विशिष्ट ज्ञान
- प्रमुख नाटककारों और नाटकों की समझ विकसित होगी

पाठ्यक्रम :

खंड क

- हिंदी नाटक एवं रंगमंच : परिचयात्मक अध्ययन , हिंदी नाटक: उद्भव और विकास, नाटक और रंगमंच का अंत संबंध , हिंदी रंगमंच का उद्भव और विकास , नाटक में दृश्य - श्रव्य तत्वों का सामंजस्य

खंड – ख

- हिंदी रंगमंच , रंगशाला, अभिनेता, निर्देशक, दर्शक ,रंग सज्जा, पारसी , रंगमंच , पृथ्वी थियेटर ,नुक्कड़ नाटक इष्टा, नौटंकी प्रमुख संस्थाएं

खंड – ग

पाठ्य पुस्तकें-भारत दुर्दशा:भारतेंदु हरिश्चंद्र , अंधा युग : धर्मवीर भारती , बकरी : सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

आलोच्य विषय –

- अंधा युग - नाटक - काव्य की कसौटी पर मूल्यांकन, मूल संवेदना, नामकरण की सार्थकता , प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण।
- बकरी - प्रतिपाद्य, प्रतीकात्मकता , युगीन परिदृश्य,अभिनेयता
- भारत दुर्दशा- प्रतिपाद्य , प्रतीकात्मकता, युगीन परिदृश्य अभिनेयता

निर्देश –1.खड़ क में से कुल तीन दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पाठ्य-पुस्तक के लिए खंड ग में से निर्धारित आलोच्य विषय में से आंतरिक विकल्प के साथ दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे। दोनों प्रश्न करना अनिवार्य है। इस प्रकार परीक्षार्थी को कोई तीन प्रश्न दीर्घ प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 9 अंक निर्धारित होंगे पूरा प्रश्न 27 अंकों का होगा।

2. खंड ग में निर्धारित पाठ्य- पुस्तकों में से तीन- तीन अवतरण सन्दर्भ सहित व्याख्या के लिए पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पुस्तक में से कम से कम एक व्याख्या करना अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए पांच अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।

3. खंड ख में निर्धारित टिप्पणियों में से कोई आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में से किन्ही पांच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।

4.पूरे पाठ्यक्रम से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

सहायक पुस्तकें:

1.रंगमंच बलवंत गार्गी

2. हिंदी रंगमंच का इतिहास चंदूलाल दुबे

3. नाटक के रंगमंच प्रतिमान वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी

4. रंगदर्शन नेमिचंद्र जैन

5.भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास लक्ष्मीनारायण लाल

6. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच नेमिचंद्र जैन

7. भारतेंदु की नाट्य कथा प्रेमनारायण शुक्ल

8. भारतेंदु युगीन नाटक: सन्दर्भ सापेक्षता रमेश गौतम

9. अंधा युग और भारती के अन्य नाटक प्रयोग जयदेव तनेजा

एम.ए. सेमेस्टर चतुर्थ

DSE04- हिंदी भाषा एवम तकनीकी कौशल

पूर्णांक:75अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 25

लिखित : 50

Course ID	241/HIN/DSE404	Credit
Course Title	हिंदी भाषा एवम तकनीकी कौशल	3

पाठ्यक्रम उद्देश्य-

विभिन्न प्रकार के पत्रों (सरकारी-अर्द्धसरकारी एवं व्यावहारिक पत्र) का विश्लेषणात्मक एवं कौशलपरक ज्ञान।

जनसंचार के विभिन्न माध्यमों का परिचय।

पाठ्यक्रम परिणाम:

पत्र लेखन तथा सरकारी तथा प्राइवेट कार्यालय में कार्य करने के अनुरूप कौशल प्रदान करना।

विभिन्न संस्थाओं के लिए प्रोफाइल लेखन सम्बन्धी कौशल प्रदान करना।

पाठ्यक्रम:

इकाई-1 - कार्यालयी आदेश ,कार्यालयी ज्ञापन, पल्लवन ,संक्षेपण ,अधिसूचना एवं संकल्प ,प्रारूप (मसौदा लेखन) drafting

इकाई-2:पत्र लेखन-प्रयोजन और प्रकार (औपचारिक एवं अनौपचारिक) , सरकारी पत्र , अर्द्ध सरकारी पत्र , व्यावसायिक पत्र ,निमंत्रण पत्र ,बधाई पत्र

इकाई-3:विज्ञापन का अर्थ और परिभाषा , विज्ञापन के प्रकार (मुद्रित, रेडियो, टेलीविजन) , विज्ञापन का वर्गीकरण (निश्चित पाठक-श्रोता, दर्शक वर्ग, भौगोलिक क्षेत्र, प्रयुक्त विज्ञापन माध्यम)

इकाई-4:अनुवाद : परिभाषा अर्थ एवं स्वरूप , अनुवाद का महत्त्व ,अनुवाद के प्रकार ,अनुवाद के क्षेत्र ,अनुवाद

की उपयोगिता

उपयोगी पुस्तकें-

1. राजभाषा हिंदी- कैलाश चंद भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रशासनिक हिंदी- महेश चंद्र गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. व्यावहारिक हिंदी और स्वरूप- वाणी प्रकाशन हिंदी, नई दिल्ली
4. व्यवहारिक पत्र-लेखन कला- डॉ. डी.एस. पोखरिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रयोजन मूलक कामकाजी हिंदी- डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिक्षा प्रकाशन, नई दिल्ली
6. व्यावसायिक हिंदी- डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
7. जनमाध्यम और पत्रकारिता, प्रवीण दीक्षित, सहयोगी साहित्य संस्थान, कानपुर
8. पत्रकार कला, विष्णुदत्त शुक्ल, सहयोगी, प्रकाशन, कानपुर
9. अनुवाद विज्ञान : सिद्धान्त एवं प्रविधि- किताब घर प्रकाशन, नई दिल्ली
10. अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण- प्रो. हरिमोहन, तक्षशिक्षा प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली
11. अनुवाद अध्ययन का परिदृश्य देवीशंकर नवीन, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय

निर्देश-

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड से दो-दो प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थियों को कुल चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक खंड से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 32 अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम से 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किहीं 4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

चतुर्थ सेमेस्टर

DSE04-प्रयोजनामूलक हिंदी

पूर्णांक:75अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 25

लिखित : 50

Course ID	**241/HIN/DSE404**	**Credit**
Course Title	**प्रयोजनामूलक हिंदी**	3

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

1. छात्रों को इस बात की समझ देना कि प्रयोजनमूलक हिंदी का महत्व क्या है और इसका उपयोग कहाँ-कहाँ होता है।

2. छात्रों में भाषा कौशल जैसे सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने की क्षमता का विकास करना।

3. कार्यस्थल पर हिंदी के प्रभावी उपयोग के लिए छात्रों को तैयार करना, जैसे सरकारी दफ्तरों, मीडिया, प्रबंधन और तकनीकी क्षेत्रों में।

4. अनुवाद के सिद्धांतों और तकनीकों का ज्ञान प्रदान करना ताकि छात्र विभिन्न भाषाओं से हिंदी में अनुवाद कर सकें और हिंदी से अन्य भाषाओं में अनुवाद कर सकें।

पाठ्यक्रम परिणाम:

1.छात्रों को हिंदी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान होगा जिससे वे इसे विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग कर सकेंगे।

2. सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने में दक्षता प्राप्त करेंगे।

3.छात्र अनुवाद करने में सक्षम होंगे और इसके विभिन्न पहलुओं को समझ सकेंगे।

4.छात्र प्रभावी संवाद करने में सक्षम होंगे और विभिन्न संप्रेषण तकनीकों का उपयोग कर सकेंगे।

इकाई -1 : प्रयोजनामूलक हिंदी : अभिप्राय और क्षेत्र

- अर्थ-विस्तार, आवश्यकता और विशेषताएँ

- हिंदी की भूमिकाएँ : राजभाषा, संपर्क भाषा, साहित्यिक भाषा, संचार भाषा, माध्यम भाषा
- पारिभाषिक शब्दावली का निर्धारण एवं सामान्य विशेषताएँ, वर्गीकरण
- भारतीय भाषाएँ , मौखिक और लिखित भाषा का स्वरूप, अंतर
- लिपि-वर्तनी का मानक रूप , शब्द संपदा और उसका मानकीकरण , आधारभूत वाक्य संरचना

इकाई-2 : जनसंचार में हिंदी - जनसंचार माध्यम : विविध आयाम , विज्ञापन और हिंदी , संपादन कला

इकाई- 3 : वैज्ञानिक और तकनीकी भाषा रूप

- वैज्ञानिक और तकनीकी हिंदी की प्रयुक्तियाँ ,वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली ,वैज्ञानिक और तकनीकी लेखन

इकाई- 4 : प्रशासनिक पत्राचार, विविध रूप

- प्रारूपण, कार्यालयी पत्राचार, संक्षपेण, टिप्पणी, पल्लवन, प्रतिवेदन

प्रस्तावित पुस्तकें:

1.हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप : कैलाशचन्द्र भाटिया

2.प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी : कैलाशचन्द्र भाटिया

3.भूमंडलीकरण, सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी : संपादक पूरनचंद टण्डन, सुनील कुमारी तिवारी

4. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयुक्ति जितेन्द्र वत्स

5.हिंदी, प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद : पूरनचंद टंडन

6.हिंदी भाषा प्रयोजन मूलकता एवं आयाम : हरि मोहन लाल सूद, देवेन्द्र कुमार

निर्देश :

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड से दो-दो प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थियों को कुल चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक खंड से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 32 अंक का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम से 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किहीं 4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।